# राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति
## व्याख्यान-माला
21 से 27 अगस्त, 2015

**आमन्त्रण**

## महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
## जंगल धूसड़, गोरखपुर

☎ : 0551-6827552, 2105416, 9794299451
Web. : www.mpm.edu.in, Email : mpmpg5@gmail.com

**उद्घाटन**

21 अगस्त, शुक्रवार, 2015
पूर्वाह्न 11.30 बजे

सान्निध्य : महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज
गोरक्षपीठाधीश्वर, सदर सांसद, गोरखपुर

अध्यक्ष : प्रो. यू.पी. सिंह
पूर्व कुलपति
वी.ब.सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य अतिथि : प्रो. शंकर शरण
प्रतिष्ठित विचारक एवं स्तम्भकार
महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदरा, गुजरात

**समारोप**

27 अगस्त, बृहस्पतिवार, 2015
पूर्वाह्न 11 बजे

अध्यक्ष : महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज
गोरक्षपीठाधीश्वर, सदर सांसद, गोरखपुर

मुख्य वक्ता : प्रो. रामअचल सिंह
पूर्व कुलपति
राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

मुख्य अतिथि : डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय
राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अ.भा.ई.सं.योजना
नई दिल्ली

**व्याख्यान-माला के सभी सत्रों में आप सादर आमंत्रित हैं।**

: निवेदक :

संयोजक
**डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र**
प्रवक्ता-मनोविज्ञान

**डॉ. प्रदीप राव**
प्राचार्य
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

## व्याख्यान कार्यक्रम

| दिनांक/विषय | मुख्य वक्ता |
|---|---|
| **२२ अगस्त, २०१५** | |
| **पर्यावरणीय अवनयन : मानवीय गलतियों का परिणाम** | १. प्रो. शिवशंकर वर्मा<br>पूर्व अध्यक्ष, भूगोल विभाग<br>दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |
| **जीवन मूल्य : भारतीय संस्कृति के संदर्भ में** | २. डॉ. प्रदीप कुमार राव<br>प्राचार्य<br>महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड |
| **२३ अगस्त, २०१५** | |
| **हिन्दुत्व ही राष्ट्रीयता है** | १. डॉ. विवेक निगम<br>एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र<br>यूईंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद |
| **ग्राम्य विकास की चुनौतियाँ : जंगल औराही के विशेष संदर्भ में** | २. डॉ. विजय कुमार चौधरी<br>असिस्टेंट प्रोफेसर, भूगोल विभाग<br>महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ |
| **२४ अगस्त, २०१५** | |
| **पर्यावरण संकट-थोड़ा बदलो तो कोई बात बने** | १. डॉ. एस.के. वर्मा<br>एसोसिएट प्रोफेसर<br>बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार |
| **ईश्वर प्राप्ति का वैज्ञानिक मार्ग : क्रिया योग** | २. डॉ. द्वारिकानाथ<br>दर्शनशास्त्र विभाग<br>दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |
| **२५ अगस्त, २०१५** | |
| **धर्म निरपेक्षता बौद्धिक उपलेपन का प्रतीक (संदर्भ निर्मल वर्मा का निबन्ध साहित्य)** | १. प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त<br>प्रोफेसर, हिन्दी विभाग (अ.प्रा.)<br>दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर |
| **स्वस्थ जीवन के घटक एवं उसे विकसित करने की विधियाँ** | २. डॉ. प्रशान्त राय<br>असिस्टेंट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा<br>श्री गाँधी पी.जी. कालेज, मालताड़ी, आजमगढ़ |
| **२६ अगस्त, २०१५** | |
| **अंधेरे से उजाले की ओर : ग्राम्य जीवन के संदर्भ में** | १. डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय<br>पूर्व प्राचार्य<br>किसान पी.जी. कालेज, सेवरही |
| **राजभाषा हिन्दी और यूनीकोड फान्ट : समस्या, प्रासंगिकता और चुनौतियाँ** | २. डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह<br>सदस्य, हिन्दी सलाहकार समिति<br>मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भा.सरकार |

**सभी व्याख्यान पूर्वाह्न 11 बजे से होंगे।**

उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. शंकर शरण

## राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला का उद्घाटन

प्रत्येक वर्ष की भाँति २१ अगस्त से २७ अगस्त तक महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में साप्ताहिक व्याख्यान-माला का आयोजन किया गया। २१ अगस्त को इस साप्ताहिक व्याख्यान-माला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महाराज सायाजी राव विश्वविद्यालय, बड़ौदरा, गुजरात में राजनीति शास्त्र विषय के प्रोफेसर एवं प्रतिष्ठित स्तम्भकार प्रो. शंकर शरण थे। अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति एवं महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन डा. शुभ्रांशु शेखर सिंह तथा आभार ज्ञापन डा. अभिलाषा कौशिक ने किया।

## व्याख्यान-22 अगस्त

साप्ताहिक व्याख्यान माला के दूसरे दिन के विषय विशेषज्ञ भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. शिवशंकर वर्मा ने "पर्यावरणीय अवनयन मानवीय गलतियों का परिणाम" विषय पर बोलते हुए कहा कि राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज सदैव पर्यावरण को लेकर चिन्तित रहे। उन्होंने मानव जीवन पर पर्यावरणीय संकट का समाधान भारतीय जीवन पद्धति में खोजते रहने का सदैव प्रयत्न किया। पृथ्वी पर जीवन की रक्षा हमारे व्यवहारों से ही होगी अन्यथा प्रकृति स्वयं प्राकृतिक प्रकोपों के द्वारा इसे नियंत्रित करेगी। व्याख्यान-माला का संचालन छात्रसंघ महामंत्री श्री आशीष राय तथा आभार भूगोल विभाग के डा. विजय कुमार चौधरी ने किया।

व्याख्यानमाला में व्याख्यान देते प्रो. शिव शंकर वर्मा

व्याख्यानमाला में व्याख्यान देते डा. विवेक निगम

## व्याख्यान-२३ अगस्त

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के तीसरे दिन 'हिन्दुत्व ही राष्ट्रीयता है' विषय पर बोलते हुए मुख्य अतिथि एसोसिएट प्रो. यूइंग क्रिश्चियन

कालेज इलाहाबाद के डॉ. विवेक निगम ने कहा कि महन्त दिग्विजयनाथ जी एवं महन्त अवेद्यनाथ महाराज की स्पष्ट अवधारणा थी कि हिन्दुत्व एक जीवन पद्धति है, एक संस्कृति है, एक परम्परा है और सब मिलाकर भारत की राष्ट्रीयता है। राष्ट्रीयता, संवेदना का विषय है, श्रद्धा का विषय है। व्याख्यान की अध्यक्षता महाराण प्रताप इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य श्री रामजन्म सिंह जी ने की।

## राष्ट्रीय सेवा योजना-कार्यक्रम

२३ अगस्त को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना तत्वावधान में 'युवा शक्ति एवं राष्ट्र का भविष्य' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में भूगोल विभाग के असिस्टेन्ट प्रो. डा. प्रवीन्द्र कुमार शाही, मुख्य अतिथि के रूप में मध्यकालीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता डा. एम.पी. सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी अविनाश प्रताप सिंह ने किया। इसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम वर्ष सदस्यता हेतु चयन एवं पंजीकरण किया गया।

## व्याख्यान-२४ अगस्त

२४ अगस्त को व्याख्यान माला में चौथे दिन बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर, बिहार के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. एस.के. वर्मा ने "भारतीय जीवन दर्शन में पर्यावरण" विषय पर अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि. के दर्शनशास्त्र विभाग के आचार्य डा. द्वारिकानाथ ने भी अपना मूल्यवान विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. भाग-दो के सतीश पाण्डेय एवं आभार प्राणि विज्ञान विभाग के प्राध्यापक श्री विनय कुमार सिंह ने किया।

व्याख्यानमाला में प्रो. एस.के. वर्मा एवं डा. द्वारिकानाथ

व्याख्यानमाला में प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त

## व्याख्यान-२५ अगस्त

सप्तदिवसीय व्यख्यान माला के पांचवे दिन दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि. के हिन्दी विभाग के प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने बतौर मुख्य अतिथि श्री गांधी पी.जी. कालेज मालताड़ी में शारीरिक एवं स्वास्थ्य

शिक्षा के प्रवक्ता डा. प्रशान्त कुमार राय ने 'स्वस्थ जीवन के घटक एवं उसे विकसित करने की विधियाँ' विषय पर शोध पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का संचालन बी.काम. भाग तीन के छात्र श्री अनुपम त्रिपाठी तथा आभार अर्थशास्त्र के प्रवक्ता श्री मंजेश्वर ने किया।

## व्याख्यान-२६ अगस्त

व्याख्यान माला में डा. वेद प्रकाश पाण्डेय

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के छठें दिन किसान पी.जी. कालेज, सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डा. वेद प्रकाश पाण्डेय ने 'अंधेरे से उजाले की ओर ग्राम्य जीवन के संदर्भ में' विषय व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में वर्तमान में गाँवों में बढ़ रही संवेदनहीनता और सहयोग की भावना में कमी की ओर विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने ग्राम जीवन की गौरवशाली परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती रही है। व्याख्यान का संचालन बी.एड. प्रवक्ता श्री गोविन्द कुमार वर्मा तथा आभार वाणिज्य विभाग प्रवक्ता श्री बागीश राज पाण्डेय ने किया।

## व्याख्यानमाला : समापन समारोह 27 अगस्त

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला के समापन समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डा. बालमुकुन्द पाण्डेय ने कहा सनातन हिन्दु धर्म, संस्कृति के पथ प्रदर्शक राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ महाराज सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय एकता के अग्रदूत थे। वे हिन्दुत्वनिष्ठ राजनीति के ध्वजवाहक थे।

व्याख्यानमाला समापन अवसर पर अतिथि

मुख्य वक्ता उच्चतर शिक्षा चयन बोर्ड उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. राम अचल सिंह ने कहा कि हिन्दू समाज में छुआछूत, ऊँच-नीच के विरुद्ध महन्त जी महाराज ने जनाभियान चलाया।

समापन समारोह की अध्यक्षता कर रहे गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने कहा कि श्रीगोरक्षपीठ का राष्ट्रीय सामाजिक आन्दोलन का प्रतीक बनाने में महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज का योगदान अविस्मरणीय है। समापन समारोह में अतिथियों का